

युवा प्रभाग-दिव्य दर्पण गुप
नवम्बर 2012 मास के पुरुषार्थ की प्वाइंट्स

नवम्बर मास का चार्ट:

- लक्ष्य – ब्राह्मण दिनचर्या एवं मनचर्या

हम कल्याणकारी पुरुषोत्तम युग में ब्रह्मा मुखवंशावली ब्राह्मण बनते हैं, जो ब्रह्माचारी कहेलाते हैं। ब्रह्माचारी अर्थात् ब्रह्मा बाबा के समान स्वयं की दिनचर्या एवं मनचर्या रखना। बाप समान बनने के लिए यह अनिवार्य है कि हम उन्हें फोलो करें।

तो आओ, हम सभी अपने इस महान लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए ऐसी महान स्थिति बनाएं।

विधि :

समय	लक्ष्य	स्वमान	युक्ति
4 से 5	निद्राजीत बनना	मैं पवित्रता का अवतार हूँ	- चहरे पर पानी के छीटे मारना - 5 से 10 मिनट घूमना - बाबा से प्रेम की अनुभूति कर विश्व की आत्माओं को प्रेम के वायब्रेशन देना
5 से 6	मन और तन की सफाई	मैं मंदिर की चैतन्य मूर्ति हूँ	बापदादा की अति प्रिय मूर्ति का शृंगार करना
6 से 8	वतन में बापदादा के सामने मुरली सुनना	मैं गोडली स्टुडेंट हूँ	मुरली में से ज्ञान, योग, धारणा, सेवा की Points लिखना
8 से 9	कम्बाइन्ड रूप में काम करना	मैं शिवशक्ति हूँ	बापदादा की छत्रछाया नीचे कर्म करना
9 से 10	बेहद की सेवा में उपस्थित रहना	मैं देह में अवतरित फरिश्ता हूँ	कार्य में व्यस्त रहना
10 से 12	गुणों का दर्शन करना	मैं गुणमूर्त आत्मा हूँ	व्यक्ति-वस्तु से कौन सा गुण शीखे वह लिखना
12 से 1	पवित्र वायब्रेशन फैलाना	मैं पवित्रता का सूर्य हूँ	बाबा के साथ मौन में भोजन स्वीकार करना
1 से 2	बाबा की दृष्टि से शक्ति लेना	मैं विजयी आत्मा हूँ	मुरली की लिखी हुई Points पढ़ना
2 से 4	आराम/रूहानी करोबार	मैं आत्मा राजा भुकुटि सिंहासन पर विराजमान हूँ	आत्मिक दृष्टि रखना
4 से 5	स्वयं को शक्तिशाली बनाना	मैं मास्टर सर्वशक्तिवान हूँ	सर्वशक्तिवान बाबा से अष्ट शक्तियों की रंग बिरंगी किरणे मुझ पर पड रही है
5 से 6	टेन्सन-फ्री रहना	मैं शान्ति देवा हूँ	शान्ति सागर से शान्ति की किरणें ग्रहण करना
6 से 7	ड्रामा – साक्षी दृष्टा बनकर देखना	मैं साक्षी दृष्टा हूँ	जो कुछ होना है, वही हो रहा है
7 से 8	सम्पर्क में आनेवाली आत्माओं को वरदान देना	मैं साक्षात्कारमूर्त हूँ	मंदिर में भक्तों को वरदानों से भरपुर करना
8 से 9	लगावमुक्त बनना	मैं फरिश्ता हूँ	सर्व संबंध बाबासे अनुभव करना
9 से 10	दिनचर्या एवं मनचर्या का चार्ट बाबा को देना	मैं राजऋषि हूँ	बाबा की गोदी में प्यार से सो जाना

❖ सारे मास में यह पुरुषार्थ करना है और हर रात्री को पुरुषार्थ का अनुभव लिखना है।

❖ फ्रेमबुक में ऊपर चार पंक्तियों में निम्नलिखित बिन्दु लिखकर उसका परिणाम प्रतिदिन रात को सोने से पहले लिखें:

1. अमृतवेला - 4.00 से 4.45, बाबा के कमरे में
2. मुरली क्लास - क्लास में सुनी
3. ट्रैफिक कंट्रोल - 5
4. स्वमान की स्मृति - बहुत अच्छी
5. अव्यक्त मुरली पढ़ी? - हाँ जी
6. नुमाशाम का योग - हाँ जी
7. दिनचर्या एवं मनचर्या - 70 %
8. गुड नाइट - 10.00

❖ इस मास हम विशेष निम्नलिखित दो मर्यादाओं का कंगन बाँधेंगे:

1. मुख से कभी कड़वे वचन उच्चारण नहीं करेंगे।
2. हर संकल्प, बोल और कर्म करने से पूर्व स्वयं से पूछेंगे कि क्या यह ब्राह्मणों की शान अनुसार है?

❖ अभ्यास: बापदादा मुझ आत्मा को निरन्तर देख रहे हैं।

❖ हर मास के प्रथम सप्ताह में यह पोस्टकार्ड लिखकर महादेवनगर युवा प्रभाग कार्यालय में भेजना है।

नाम: _____	सेन्टर का नाम: _____	DiDar No: _____
अमृतवेला-75%		ट्रैफिक कंट्रोल-75%
मुरली क्लास-90%		नुमाशाम का योग-60%
स्वमान की स्मृति-55%		अव्यक्त मुरली पढ़ी?-80%
दिनचर्या एवं मनचर्या -70%		गुड नाइट-95%
चार्ट: OK या OK		टीचर के हस्ताक्षर
[

National Youth Wing Office: Phone No: (079) 26444415, 26460944 Email: bkyouthwing@gmail.com
Website: www.bkyouth.org